Literacy for a Billion

Movie: Aadmi Aur Insaan
Year: 1969

Song: Zindgi Ittefaaq Hai
Lyricist: Sahir Ludhianvi

ज़िन्दगी इत्तेफाक है
कल भी इत्तेफाक थी
आज भी इत्तेफाक हैं
हाय झूम पकड़ बढ़ा के
हाथ माँग दुआ घटे ना रात
जाने वफ़ा तेरी कसम
कहते दिल की बात हम
गर ना कोई तेरा हो सके
आँखों का खेल हो सके
अपने को खुशनसीब जान
वक्त को मेहरबान मान
मिलते है दिल कभी कभी
वरना हैं अजनबी सभी

मेरे हमदम मेरे मेहरबान
हर खुशी इत्तेफाक है
हुस्न है और शबाब है
ज़िन्दगी कामयाब है
बज़्म यूँ ही ये खिली रहे
अपनी मिली नज़र रहे
रंग यूँ ही जमा रहे
वक़्त यूँ ही थमा रहे
साज की लय पे झूम ले
जुल्फ़ के फन ले चूम ले
मेरे किये से कुछ नहीं
मेरे हमदम मेरे मेहरबान
ये सभी इत्तेफाक हैं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.